

[This question paper contains ...03. printed pages.]

Roll Number :
Unique Paper Code : 121301203
Type : CC
Title of the Paper : साहित्य: मेघदूत एवं उत्तररामचरित
Sāhitya: Meghadūta & Uttararāmacarita
Name of the Course: MA (Sanskrit), II, May-2025
Semester : II
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

7 x 2 = 14

Explain the following:

i) त्वामारूढं पवनपदवीमुद्धृहीतालकान्ताः

प्रेक्षिष्यन्ते पथिकवनिताः प्रत्ययादाश्वसत्यः।

कः सन्नद्धे विरहविधुरां त्वय्युपेक्षेत जायां

न स्यादन्योऽप्यहमिव जनो यः पराधीनवृत्तिः ॥

अथवा/OR

तेषां दिक्षु प्रथितविदिशालक्षणां राजधानीं

गत्वा सद्तः फलमविकलं कामुकत्वस्य लब्धा।

तीरोपान्तस्तनितसुभगं पास्यसि स्वादु यस्मात्

सभ्रूभङ्गं मुखमिव पयो वेत्रवत्याश्चलोर्मिः।।

ii) यत्रोन्मत्तभ्रमरमुखराः पादपा नित्यपुष्पाः

हंसश्रेणीरचितरशना नित्यपद्माः नलिन्यः।

केकोत्कण्ठाः भवनशिखिनो नित्यभास्वत्कलापाः

नित्यज्योत्सनाः प्रतिहततमोवृत्तिरम्याः प्रदोषाः।।

अथवा/OR

एभिः साधो हृदयनिहितैर्लक्षणैर्लक्षयेथा

द्वारोपान्ते लिखितवपुषौ शङ्खपद्मौ च दृष्ट्वा।

क्षामच्छायं भवनमधुना मद्वियोगेन नूनं
सूर्यापाये न खलु कमलं पुष्यति स्वामभिख्याम् ॥

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

7 x 2 = 14

Explain the following:

(i). इदं कविभ्यः पूर्वैभ्यो नमोवाकं प्रशास्महे ।

विन्देम देवतां वाचममृतामात्मनः कलाम् ॥

अथवा/OR

अन्वेष्टव्यो यदसि भुवने भूतनाथः शरण्यो

मामन्विष्यन्निह वृषलकं योजनानां शतानि ।

क्रान्त्वा प्राप्तः स इह तपसां संप्रसादोऽन्यथा तु

क्रायोध्यायाः पुनरुपगमो दण्डकायां वने वः ॥

(ii). आश्च्योतनं नु हरिचन्दनपल्लवानां-

निष्पीडितेन्दुकरकन्दलजो नु सेकः ।

आतप्तजीवितपुनःपरितर्पणोऽयं

संजीवनौषधिरसो हृदि नु प्रसक्तः ॥

अथवा/OR

दिनकरकुलचन्द्र! चन्द्रकेतो!

सरभसमेहि दृढं परिष्वजस्व ।

तुहिनशकलशीतलैस्तवाङ्गैः-

शममुपयातु ममापि चित्तदाहः ॥

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये । एक टिप्पणी अनिवार्य रूप से संस्कृत में होनी चाहिए- 5+5+5+7=22

Write short notes on the following; one must be in Sanskrit.

(i). याज्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा । अथवा/OR मेघदूत का खण्डकाव्यत्व

(ii). कान्तोदन्तः सुहृदुपनतः सङ्गमात् किञ्चिदूनः । अथवा/OR यक्ष का आगार (abode of the Yaksh)

(iii). एते हि हृदयमर्मच्छिदः संसारभावाः । अथवा/OR ते हि नो दिवसाः गताः ।

(iv). तेजस्तेजसि शाम्यतु । अथवा/OR गर्भाङ्क का महत्त्व (The importance of GarbhAnka)

4. मेघदूत में यक्ष-पत्नी की विरहावस्था के वर्णन कीजिए ।

10

Describe the separation state of the Yaksha's wife in *Meghadūta*.

अथवा/OR

“उपमा कालिदासस्य” यह उक्ति मेघदूत के सन्दर्भ में कहाँ तक सत्य है? समीक्षा कीजिए ।

To what extent is the statement “उपमा कालिदासस्य” true in the context of the *Meghadūta*? review.

5. उत्तररामचरित के आधार पर राम के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।

10

Explain the characteristics of Lord Rama's personality based on *Uttararāmacarita*.

अथवा/OR

उत्तररामचरित की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा कीजिए।

Provide a dramaturgical review of *Uttararāmacarita*.